राग बिहागड़ा

रात्रि समय गायन किए जाने वाले रागों में बिहागड़ा बहुत मधुर और प्रभावशाली राग है। बिहागड़ा वियोग उठाता है। वियोग को, गुरु का मरदाना होकर दूर करना है। मरदाना बनना, शब्द में लीन होना है।

राग बिहाग के चलन में कुछ परिवर्तन करके इस राग का स्वरूप निश्चित किया गया है।

आरोह	–	नी॒ स ग, म प नी सं।
अवरोह	–	सं नी ध प, नी ध प, ध ग म ग, रे स।
स्वर	–	आरोह में 'रे' और 'ध' वर्जित, दोनों निषाद। अन्य शुद्ध।
थाट	–	बिलावल
जाति	–	औड़व–सम्पूर्ण
समय	–	रात का द्वितीय प्रहर
वादी	–	गंधार
संवादी	–	निषाद
मुख्य अंग	–	ग म प, नी॒ ध प, ध ग म ग, रे स।
स्वर विस्थार	–	1. स, नी॒ स प॒ नी॒ स, नी॒ स ग, स ग म प, ध ग म ग, ग म प ध नी॒ ध प, ध ग म ग, स ग म प, ध ग म ग, रे स। 2. ग म प, नी॒ ध प ग म ग, प, ग म प नी सं, प नी सं गं, रें सं, नी सं गं, मं गं, रें सं, प नी सं नी ध प, ग म प ध नी॒ ध प, ध ग म ग, रे स।

रागु बिहागड़ा महला ५॥ (५४२)

अति प्रीतम मन मोहना घट सोहना प्रान अधारा राम॥ सुंदर सोभा लाल गोपाल दइआल की अपर अपारा राम॥ गोपाल दइआल गोबिंद लालन मिलहु कंत निमाणीआ॥ नैन तरसन दरस परसन नह नीद् रैणि विहाणीआ॥ गिआन अंजन नाम बिंजन भऐ सगल सीगारा॥ नानकु पइअंपै संत जंपै मेलि कंतु हमारा॥१॥

ੴ सतिगुर प्रसादि॥

रागु बिहागड़ा महला ९॥ (५३७)

हरि की गति नहि कोऊ जानै॥ जोगी जती तपी पचि हारे अरु बहु लोग सिआने॥१॥रहाउ॥ छिन महि राउ रंक कउ करई राउ रंक करि डारे॥ रीते भरे भरे सखनावै यह ता को बिवहारे॥१॥ अपनी माइआ आपि पसारी आपहि देखनहारा॥ नाना रूपु धरे बहु रंगी सभ ते रहै निआरा॥२॥ अगनत अपारु अलख निरंजन जिह सभ जगु भरमाइए॥ सगल भरम तजि नानक प्राणी चरनि ताहि चितु लाइए॥३॥१॥२॥

राग बिहागड़ा

(1) तीन ताल

LFkkbZ

									सस	ग	म	प	प	नी	नी
									अति	प्री	0	त	म	म	न
सं	—	—	सं	नी	—	प	पप	सं	—	—	सं	नी	—	प	प
मो	0	0	ह	ना	0	0	घट	सो	0	0	ह	ना	0	0	घ
ग	गम	पध	नी	ध	धप	गम	पम	ग	गम	प	मप	ग	—	स	नी़
ट	सो	00	0	ह	ना0	00	00	0	प्रा0	0	नअ	धा	0	रा	0
स	—	—	स	सम	गम	पम	ग	—	गम	प	मप	ग	—	स	नी़
रा	0	0	म	रा0	00	00	म	0	प्रा0	0	नअ	धा	0	रा	0
स	—	—	स	—	प	ग	म	प	—	नी	—	—	सं	सं	सं
रा	0	0	म	0	सुं	द	र	सो	0	भा	0	0	ला	ल	गो
नी	—	प	संसं	नी	—ध	प	(प)	—	ग	गमप	मप	ग	—	स	नी़
पा	0	ल	दइ	आ	0ल	की	0	0	अ	प00	रअ	पा	0	रा	0
स	—	—	स	—	—	—	—	—							
रा	0	0	म	0	0	0	0	0							
X				2				0				3			

vUrjk

								—	गग	म	पप	सं	—	सं	—
								0	गोपा	ल	दइ	आ	0	ल	0
—	नीध	नी	सं	नी	—ध	प	प	—	प	नी	—	नी	धप	नी	सं
0	गो0	बिं	द	ला	00	ल	न	0	मि	लहु	0	कं	00	त	नि
नी	—ध	प	प	—	गम	मप	ग	—	गम	प	नी	सं	सं	सं	सं
मा	00	णी	आ	0	00	00	0	0	नै0	न	0	त	र	स	न
—	नीध	नी	सं	नी	नी	प	प	—	पप	ग	म	ग	—	स	नी़
0	दर	स	0	प	र	स	न	0	नह	नी	द	रै	0	ण	वि
स	—स	स	—	सम	गम	मप	ग								
हा	0णी	आ	0	00	00	00	0								
X				2				0				3			

राग बिहागड़ा

(2) झप ताल

LFkkbZ%

गग	मग	पप	पधनी–	धप	पध–प	मग	गमपध	–म	–
हरि	की0	गति	न000	हि0	को000	ऊ0	जा000	0नै	0
गम	गरे	सनी	–नी	स	गम	पप	पध–प	मग–म	म
जो0	गी0	ज0	ती	0	तपी	पचि	हा000	0000	रे
पप	नीनी	(सं)	–	धप	पधनी	धप	पध–प	मग––	म
अरू	बहु	लो	0	गसि	आ00	00	ने000	0000	0
X		2			0		3		

vUrjk

पप	पप	नी	–	नी	संसं	संरें	नीनी	सं	–
छिन	महि	रा	0	उ	रंक	कउ	कर	ई	0
नी	नी	नी	सं	–	संसं	नीध	नी	प	–
रा	उ	रं	क	0	करि	डा0	रे	0	0
प	प	नी	नी	–	संसं	संसं	संरें	सं	–
री	ते	भ	रे	0	भरे	सख	ना0	वै	0
नीनी	नी	नी	–	–	संसं	नीध	नी	प	–
यह	ता	को	0	0	बिव	हा0	रे	0	0
पप	प	पधनीनी	ध	प	पधधप	मग	म	म	म
यह	0	ता0को0	0	0	बिव00	हा0	रे	0	0
X		2			0		3		

dhrUudkj çk djrkj flag